INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

2021-22

राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी

(VDO) (ग्राम सेवक)

प्रारंभिक परीक्षा हेतु

RAJASTHAN SUBORDINATE AND MINISTERIAL SERVICE SELECTION BOARD (RSMSSB)

भाग-4 हिंदी एवं अंग्रेजी

हिंदी

1. वर्णमाला
2. सन्धि और सन्धि विच्छेद
3. प्रत्यय एवं उपसर्ग
4. समास विग्रह
5. संज्ञा
6. सर्वनाम
7. विशेषण
8. लिंग एवं कारक
9. क्रिया एवं काल
10. वाच्य
11. पर्यायवाची
12. विलोम शब्द
13. अनेकार्थी शब्द
14. मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ
15. शब्द शुद्धि
16. शब्द युग्म
17. वाक्य रचना एवं वाक्यों के प्रकार
18. वाक्य – शुद्धि

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

English

1. Article
2. Noun
3. Pronoun
4. Adjective
5. The verb
6. Adverb
7. Pre + position - Preposition
8. Conjunction
9. Time And Tense
10. Active and Passive Voice
11. Direct & Indirect
12. Antonyms / synonyms
13. Phrases & Idioms
14. One Word Substitution

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 2

सन्धि एवं संधि विच्छेद

- **सन्धि का अर्थ होता हैं** - मेल और विलोम - विग्रह।
- आपसी निकटता के कारण दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को सन्धि कहते हैं।

  जैसे - हिम + आलय = हिमालय

  जगत् + नाथ = जगन्नाथ

  निः + धन = निर्धन

सन्धि के भेद

1. स्वर सन्धि
2. व्यन्जन सन्धि
3. विसर्ग सन्धि

1. स्वर सन्धि

परस्पर स्वर का स्वर के साथ मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता है, उसे स्वर सन्धि कहते हैं।

जैसे - देव + आलय = देवालय

रमा + ईश = रमेश

एक + एक = एकैक

यदि + अपि = यद्यपि

भौ + उक = भावुक

स्वर सन्धि के भेद –

i. दीर्घ सन्धि

ii. गुण सन्धि

iii. वृद्धि सन्धि

iv. यण संधि

v. अयादि संधि

i. दीर्घ सन्धि –

नियम - यदि ह्रस्व या दीर्घ स्वर [अ इ उ] के बाद समान ह्रस्व या दीर्घ स्वर आए तो दोनों के स्थान पर दीर्घ एकादेश होता है।

जैसे- युग् + अन्तर - युगान्तर

युग् अ + अन्तर

युग् आन्तर

युगान्तर

युग् आन्तर

युग् अ+ अन्तर

युग + अन्तर

जैसे - हिम् + आलय = हिमालय

हिम् आ लय

हिम् अ + आलय

हिम + आलय

जैसे - राम + अवतार = रामावतार

तथा + अपि = तथापि

मुनि + इन्द्र = मुनीन्द्र (मुनियों में श्रेष्ठ हैं जो - विश्वामित्र)

कपि + ईश = कपीश (हनुमान, सुग्रीव)

लघु + उत्तम = लघूत्तम

लघु + ऊर्मि = लघूर्मि (छोटी लहर)

भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व

सु + उक्ति = सूक्ति

कटु + उक्ति = कटूक्ति

चमू + उत्थान = चमूत्थान (चमू = सेना)

गुरू + उपदेश = गुरूपदेश

वधू + उत्सव = वधूत्सव (वधू - जिसकी शादी की तैयारियां चल रही हो)

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

विद्या + आलय = विद्यालय

पंच + अमृत = पंचामृत

स्व + अधीन = स्वाधीन

दैत्य + अरि = दैत्यारि (देवता इन्द्र विष्णु)

सत्य + अर्थी = सत्यार्थी

प्रेरणा + आस्पद = प्रेरणास्पद

प्र + आंगन = प्रांगण

शश + अंक = शशांक (चन्द्रमा) [शश = खरगोश, अंक: गोद]

महती + इच्छा = महतीच्छा

फणी + ईश = फणीश (शेषनाग)

रजनी + ईश = रजनीश (चन्द्रमा)

<u>दीर्घ सन्धि की पहचान</u> –

दीर्घ सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशत: आ, ई, ऊ की मात्राएँ आती है और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

शक + अन्धु = शकन्धु
कर्क + अन्धु = कर्कन्धु } अपवाद

पितृ + ऋण = पितृण

मातृ + ऋण = मातृण

विश्व + मित्र = विश्वामित्र
मूसल + धार = मूसलाधार } अपवाद

मनम् + ईषा = मनीषा

युवत् + अवस्था = युवावस्था

(ii) <u>गुण सन्धि</u>-

नियम (1) - यदि अ/आ के बाद इ/ई आए तो दोनों के स्थान पर 'ए' हो जाता है अर्थात्

अ/आ + इ/ई = ए = ऐ

नियम (2) - यदि अ/आ के बाद उ/ऊ आए तो दोनों के स्थान पर 'ओ' हो जाता है अर्थात्

अ/आ + उ /ऊ = ओ = औ

नियम (3) – यदि अ/आ के बाद ऋ आये तो दोनों के स्थान पर 'अर्' हो जाता हैं हो जाता हैं | अर्थात

अ/आ + ऋ = अर्

ए	ओ	+ अर्	= गुण
अ	इ	उ	ऋ
+	+	+	+
अ	इ	उ	ऋ
=	=	=	=
आ	ई	ऊ	x - दीर्घ

जैसे - गज + इन्द्र = गजेन्द्र

गज् + अ + इन्द्र

गज् ऐन्द्र

गजेन्द्र

गज् ए न्द्र

गज् अ + इन्द्र

गज + इन्द्र

जैसे- मृग + इन्द्र = मृगेन्द्र (शेर)

रमा + ईश = रमेश (लक्ष्मी का पति है जो = विष्णु)

सुर + ईश = सरेश (देवताओं का स्वामी = इन्द्र)

नर + ईश = नरेश (राजा)

पर + उपकार = परोपकार

यथा + उचित = यथोचित (जितना उचित हो)

यथा + इच्छा = यथेच्छा (इच्छानुसार)

पुरुष + उत्तम = पुरुषोत्तम (मनु)

नर + उत्तम = नरोत्तम

कथा + उपकथन = कथोपकथक

गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि

महा + उदय = महोदय

सह + उदर = सहोदर (सगा भाई)

नव + ऊढ़ा = नवोढ़ा (नवविवाहिता) ऊढ़ा - युवती

राका + ईश = राकेश (रात का स्वामी = चन्द्रमा)

गुड़ाका + ईश = गुड़ाकेश (नींद का स्वामी = शिव, अर्जुन)

हृषीक + ईश = हृषीकेश (इन्द्रियों का स्वामी = विष्णु)

उमा + ईश = उमेश (शिव)

धन + ईश = धनेश (कुबेर)

हृदय + ईश = हृदयेश (कामदेव)

देव + ईश = देवेश (इन्द्र)

महा + इन्द्र = महेन्द्र (शिव)

अपवाद = प्र+ ऊढ = प्रौढ

अक्ष+ऊहिनी = अक्षौहिणी (विशाल सेना)

ऋ, र् ष् - न्
↓
ण्

जैसे - राम + अयन = रामायण

प्र + मान = प्रमाण

शूर्प + नखा = शूर्पणखा

लक्ष् + मन = लक्ष्मण

जैसे- देव + ऋषि = देवर्षि

देव् + अ + ऋषि

देव् अर् षि

↘

देवर्षि

सप्त + ऋषि = सप्तर्षि

कण्व + ऋषि = कण्वर्षि

ग्रीष्म + ऋतु = ग्रीष्मर्तु

महा + ऋषि = महर्षि

राजा + ऋषि = राजर्षि

ब्रह्म + ऋषि = ब्रह्मर्षि

वर्षा + ऋतु - वर्षर्तु

महा + ऋण = महर्ण

<u>गुण सन्धि की पहचान –</u>

गुण सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशतः ए, ओ की मात्राएँ या र् आता है र् और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

(ii) <u>वृद्धि सन्धि -</u>

नियम (I)- यदि अ/आ के बाद ए/ऐ आए तो दोनों के स्थान पर ऐ हो जाता है अर्थात

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 4

प्रत्यय एवं उपसर्ग

परिभाषा:-

वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत मे लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते है, उन्हे प्रत्यय कहते है। शब्दों में प्रत्यय लगाकर उसी शब्द से विभिन्न अर्थों को प्राप्त किया जा सकता है।

प्रत्यय वे शब्दांश होते है, जिनका कोई स्वतंत्र अर्थ नहीं होता। वे जिस शब्द के साथ जुडते है, उसके अर्थ को प्रभावित करते है।

प्रत्यय में संधि नियम लागू नहीं होता है।

हिन्दी में प्रत्यय दो प्रकार के होते है-

1. **तद्धित प्रत्यय**
2. **कृत/कृदंत प्रत्यय**

1. **तद्धित प्रत्यय** – जो प्रत्यय क्रिया के धातु – रूपों को छोड़कर अन्य शब्दों जैसे – संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम आदि के साथ लगकर नये शब्द का निर्माण करते है, उन्हे तद्धित प्रत्यय कहते है तथा इनसे बने शब्दों को 'तद्धितान्त' कहते है।

जैसे – बंगाल + ई = बंगाली

यहाँ 'ई' तद्धित प्रत्यय है क्योंकि यह बंगाल नामक संज्ञा के साथ मिलकर नया शब्द 'बंगाली' बना रहा है।

तद्धित प्रत्यय 6 प्रकार के होते है।

1. कर्त्तवाचक तद्धित प्रत्यय
2. भाववाचक तद्धित प्रत्यय
3. संबंध वाचक तद्धित प्रत्यय
4. अप्रत्यय वाचक/संतान बोधक तद्धित प्रत्यय
5. ऊनतावचक / हीनता / लघुता वाचक तद्धित प्रत्यय
6. स्त्रीबोधक तद्धित प्रत्यय

1) कर्त्तवाचक तद्धित प्रत्यय

– वे प्रत्यय जो संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण शब्द के अंत मे जुड़कर कर्तवाचक शब्द का निर्माण करते है, कर्तवाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते है।

प्रत्यय	मूल शब्द	तद्धितान्त
आरी	पूजा भीख	पुजारी भिखारी
हरा	घास बास ठाठ	घसेरा बसेरा ठठेरा
आरा	बनिज हत्या	बनिजार हत्यारा
आर	लोहा सोना चाम गाव	लुहार सुनार चमार गवार
इया	रस दुःख छल	रसिया दुखिया छलिया
ई	भेद तेल	भेदी तेली
ची	नकल खजाना तोप	नकलची खजानची तोपची

दानी	पाक मच्छर	पाकदानी मच्छरदानी
दान	खान पाक	खानदान पाकदान
वान/बान	कोच गुण मेज धन	कोचवान गुणवान मेजबान धनवान
कार	संगीत पेश	संगीतकार पेशकार
वाला	काम फल दूध	कामवाला फलवाला दूधवाला
एडी	नशा गांजा	नशेड़ी गंजेड़ी
ऊ	पेट नाक	पेटू नक्कू
हारा	लकड़ पानी	लकड़हारा पनिहारा
हेत	दगा	दगैत

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	बरछा	बरछत

2) भाववाचक तद्धित प्रत्यय – वे प्रत्यय जो किसी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण के अंत मे जुड़कर भाववाचक संज्ञा का निर्माण करते है, भाववाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते है।

प्रत्यय	मूल शब्द	तद्धितान्त
आई	बुरा	बुराइ
	साफ	सफाइ
	ठाकुर	ठकुराइ
	पांडत	पांडताइ
आन	नीचा	नीचान
	लंबा	लंबान
	घमास	घमासान
आ	सरोफ	सरोफा
	जोड़	जोड़ा
ई	दलाल	दलाली
	सद	सदी
	किसान	किसानी
	महाजन	महाजनी
	गृहस्थ	गृहस्थी
	चोर	चोरी

इकी	मानव संस्था	मानविकी सांस्थेकी
अक	बध चिकित्सा लच ठड	बधक चिकित्सक लचक ठडक
आवा	चढ़ा बुला दिखा छल	चढ़ावा बुलावा दिखावा छलावा
गी	हकबार जिदा सादा मदोन	हकबारगी जिदगी सादगी मदोनगी
ता	सुदर मित्र लघु	सुदरता मित्रता लघुता
त	रग चाह	रगता चाहत
नी	नथ	नथनी

	चाँद	चाँदनी
पन	बाल भोला बांझ छोटा	बालपन भोलापन बांझपन छुटपन
कार	झन जय धिक	झंकार जयकार धिक्कार
आपा	मोटा बूढ़ा	मोटापा बुढ़ापा

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

2) <u>संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय</u> -

वे प्रत्यय जो संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण के अंत मे जुड़कर संबंध के अर्थ का बोध कराते है, 'संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते है।

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी हे जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718

उपसर्ग -

उपसर्ग = उप (समीप) + सर्ग (श्रष्टि करना) का अर्थ है –

(किसी शब्द के समीप आकर नया शब्द बनाना)

- उपसर्ग के कई नाम –आदि प्रत्यय , व्युत्पत्तिमूलक प्रत्यय, रचनात्मक

उपसर्ग की परिभाषा – वे शब्दांश , जो किसी शब्द के आरम्भ में लगकर उनके अर्थ में विशेषता ला देते हैं।
जैसे – परा-पराक्रम , पराजय , पराभव , पराधीन , पराभूत

उपसर्ग	शब्द
अति	अत्यन्त
चिर	चिरायु
सु	सुयोग
अप	अपकीर्ति
प्र	प्रख्यात
वि	विज्ञान
वि	विदेश
उत्	उत्थान
उप	उपकार
निर्	निर्वाह
प्रति	प्रत्युत्पन्नमति
अ	अस्पृश्य
आ	आगमन
नि	निबंध
प्रति	प्रतिकूल
अति	अतिचार
अ	अव्यवस्था
परि	परिजन

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रयोग		उपसर्ग		शब्द
सदाचा	=	सत्	+	आचार
दुराचार	=	दुर्	+	आचार
अध्यक्ष	=	अधि	+	अक्ष
पराजय	=	परा	+	अजय
समादर	=	सम्	+	आदर
अत्युक्ति	=	अति	+	उक्ति
निबंध	=	नि	+	बंध
परिजन	=	परि	+	जन
उनतीस	=	उन	+	तीस
प्रत्युपकार	=	प्रति	+	उप+कार
अनुशासन	=	अनु	+	शासन
प्रख्यात	=	प्र	+	ख्यात
संरक्षण	=	सम्	+	रक्षण
अधखिला	=	अध्	+	खिला
दुकाल	=	दु	+	काल
अत्यधिक	=	अति	+	अधिक
अध्यक्ष	=	अधि	+	अक्ष
उल्लास	=	उत्	+	लास
दुर्जन	=	दुः (दुर्)	+	जन
दुश्चरित्र	=	दुः (दुष्)	+	चरित्र
निर्भय	=	निः	+	भय
संतोष	=	सम्	+	तोष
संहार	=	सम्	+	हार

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अभ्यास = आभ + आस

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी हे जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें - 8233195718

अध्याय – 5

संज्ञा

संज्ञा (Noun) की परिभाषा:-

संज्ञा उस विकारी शब्द को कहते हैं , जिससे किसी विशेष वस्तु , भाव और जीव के नाम का बोध हो, उसे संज्ञा कहते हैं

दूसरे शब्दों में- किसी प्राणी, वस्तु , स्थान, गुण या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं ।

जैसे – प्राणियों के नाम- मोर , घोड़ा, अनिल ,किरण जवाहरलाल नेहरू आदि ।

वस्तुओं के नाम- अनार ,रेडियो , किताब, संदूक , आदि ।

स्थानों के नाम- कुतुबमीनार , नगर , भारत , मेरठ आदि

भावों के नाम- वीरता , बुढ़ापा, मिठास आदि

यहाँ 'वस्तु ' शब्द का प्रयोग व्यापक अर्थ में हुआ है, जो केवल वाणी और प्रदार्थ का वाचक नहीं ,वरन उनके धर्मों का भी सूचक है।

साधारण अर्थ में 'वस्तु ' का प्रयोग इस अर्थ में नही होता। अतः वस्तु के अंतर्गत प्राणी, प्रदार्थ और धर्म आते हैं। इन्हीं के आधार पर संज्ञा के भेद किये गये हैं।

संज्ञा के भेद

संज्ञा के पांच भेद होते हैं-

(1)व्यक्तिवाचक (Proper noun)

(2)जातिवाचक (Common noun)

(3)भाववाचक (Abstract noun)

(4)समूहवाचक (Collective noun)

(5)द्रव्यवाचक (Material noun

(1)व्यक्तिवाचक संज्ञा :-जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे-
व्यक्ति का नाम-रवीना , सोनियां गाँधी , श्याम, हरि, सुरेश , सचिन आदि।
वस्तु का नाम- कर , टाटा चाय, कुरान , गीता ,रामायण आदि।
स्थान का नाम-ताजमहल, कुतुबमीनार , जयपुर आदि।
दिशाओं के नाम- उत्तर , पश्चिम , दक्षिण , पूर्व।
देशों के नाम- भारत , जापान , अमेरिका, पाकिस्तान , बर्मा।
राष्ट्रीय जातियों के नाम- भारतीय , रूसी, अमेरिकी।
समुन्द्रों के नाम- काला सागर , भूमध्य सागर , हिन्द महासागर , प्रशान्त महासागर।
नदियों के नाम- गंगा, ब्रह्मपुत्र, बोल्गा, कृष्णा कावेरी , सिन्धु।
पर्वतों के नाम- हिमालय, विन्ध्याचल, अलकनंदा , कराकोरम।
नगरों चोको और सड़कों के नाम वाराणसी , गया,चाँदनी चौक, हरिसन रोड, अशोक मार्ग ।
पुस्तकों तथा समाचारों के नाम- रामचरित मानस, ऋग्वेद , धर्मयुग, इण्डियन नेशन, आर्यवर्त।
ऐतिहासिक युद्धों और घटनाओं के नाम- पानीपत की पहली लड़ाई, सिपाही -विद्रोह, अक्तूबर –क्रांति।
दिनों महीनों के नाम- मई, अक्टूबर ,जुलाई, सोमवार , मंगलवार।
त्योहारों उत्सवों के नाम- होली, दीवाली, रक्षाबन्धन, विजयादशमी।

(2) **जातिवाचक संज्ञा** :- जिस शब्द से एक जाति के सभी प्राणियों अथवा वस्तुओं का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

बच्चा , जानवर , नदी , अध्यापक, बाजार , गली, पहाड़, खिड़की , स्कूटर आदि शब्द एक ही प्रकार प्राणी, वस्तु और स्थान का बोध करा रहे हैं। इसलिए ये जातिवाचक संज्ञा' हैं।

जैसे - लड़का, पशु-पक्षियों वस्तु , नदी , मनुष्य, पहाड़ आदि।

'लड़का' से राजेश, सतीश, दिनेश आदि सभी 'लड़कों का बोध होता है।

'पशु-पक्षियों से गाय, घोड़ा, कुत्ता आदि सभी जाति का बोध होता है।

'वस्तु' से मकान, कुर्सी, पुस्तक, कलम आदि का बोध होता है।

'नदी' से गंगा यमुना, कावेरी आदि सभी नदियों का बोध होता है।

'मनुष्य' कहने से संसार की मनुष्य-जाति का बोध होता है।

'पहाड़' कहने से संसार के सभी पहाड़ों का बोध होता है।

(3)भाववाचक संज्ञा:-

थकान, मिठास, बुढ़ापा, गरीबी , आजादी , हँसी , चढ़ाई, साहस,

वीरता आदि शब्द-भाव, गुण, अवस्था तथा क्रिया के व्यापार का बोध करा रहें हैं।

इसलिए ये 'भाववाचक संज्ञाएँ' हैं।

इस प्रकार-जिन शब्दों से किसी प्राणी या पदार्थ के गुण, भाव, स्वभाव या अवस्था का बोध होता है, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- उत्साह, ईमानदारी, बचपन, आदि । इन उदाहरणों में 'उत्साह' से मन का भाव है। 'ईमानदारी' से गुण का बोध होता है। 'बचपन' जीवन की एक अवस्था या दशा को बताता है। अतः उत्साह, ईमानदारी, बचपन, आदि शब्द भाववाचक संज्ञाए हैं। हर प्रदार्थ का धर्म होता है। पानी में शीतलता, आग में गर्मी, मनुष्य में देवत्व और पशुत्व इत्यादि का होना आवश्यक है। पदार्थ का गुण या धर्म प्रदार्थ से अलग नही रह सकता। घोड़ा है, तो उसमें बल है, वेग है और आकार भी है। व्यक्तिवाचक संज्ञा की तरह भाववाचक संज्ञा से भी किसी एक ही भाव का बोध होता है। 'धर्म, गुण, अर्थ' और 'भाव' प्रायः पर्यायवाची शब्द हैं। इस संज्ञा का अनुभव हमारी इन्द्रियों को होता है और प्रायः इसका बहुवचन नहीं होता।

जातिवाचक संज्ञा	भाववचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
मनुष्य-	मनुष्यता	पुरुष-	पुरुषत्व,

शास्त्र-	शास्त्रीयता	जाति-	जातीयता
पशु-	पशुता	बच्चा-	बचपन
दनुज-	दनुजता	नारी-	नारीत्व
पात्र-	पात्रता-	बूढा-	बुढ़ापा
लड़का-	लड़कपन	मित्र-	मित्रता
दास-	दासत्व	पण्डित-	पण्डिताई
अध्यापक-	अध्यापन	सेवक-	सेवा

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

भाववाचक संज्ञाएँ बनाना:-

भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण जातिवाचक संज्ञा, विशेषण, क्रिया, सर्वनाम और अव्यय शब्दों से बनती हैं। भाववाचक संज्ञा बनाते समय शब्दों के अंत में प्रायः पन, त्व, ता आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

(1) जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाना:-

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
स्त्री-	स्त्रीत्व	भाई-	भाईचारा

(2) विशेषण से भाववाचक संज्ञा बनाना:-

विशेषण	भाववाचक संज्ञा	विशेषण	भाववाचक संज्ञा
लघु-	लघुता, लघुत्व, लाघव	वीर-	वीरता, वीरत्व
एक-	एकता, एकत्व	चालाक-	चालाकी
खट्टा-	खटाई	गरीब	गरीबी
गंवार	गंवारपन	पागल	पागलपन
बूढा	बुढ़ापा	मोटा	मोटापा
नबाव	नबाबी	दीन	दीनता,दैन्य
बड़ा	बड़ाई	सुंदर	सौंदर्य, सुंदरता
भला	भलाई	बुरा	बुराई
ढीठ	ढिठाई	चोड़ा	चोड़ाई
लाल	सरलता सारल्य	आवश्यकता	आवश्यकता
परिश्रमी	परिश्रम	अच्छा	अच्छाई
गंभीर	गंभीरता, गाभीर्य	सभ्य	सभ्यता
स्पष्ट	स्पष्टता	भावुक	भावुक
अधिक	अधिकता, आधिक्यग	अधिक	अधिकता
सदै	सदी	कठोर	कठोरता
मीठा	मिठास	चतुर	चतुराई
सफेद	सफेदी	श्रेष्ठ	श्रेष्ठता
मूर्ख	मूर्खता	राष्ट्रीय	राष्ट्रीयता
खोजना	खोज	सीना	सिलाई
जीतना	जीत	रोना	रुलाई
लड़ना	लड़ाई	पढ़ना	पढ़ाई
चलना	चाल, चलन	पीटना	पिटाई
देखना	दिखावा, दिखावट	समझना	समझ
सींचना	सिंचाई	पड़ना	पड़ाव
पहनना	पहनावा	चमकना	चमक
लूटना	लूट	जोड़ना	जोड़

घटना	घटाव	नाचना	नाच
बोलना	बोल	पूजना	पूजन
झूलना	झूला	जोतना	जुताई
कमाना	कमाई	बचना	बचाव
रुकना	रुकावट	बनना	बनावट
मिलना	मिलावट	बुलाना	बुलावा
भूलना	भूल	छापना	छापा, छपाई
बैठना	बैठक, बैठकी	बढ़ना	बाढ़
घेरना	घेरा	छाँकना	छाँक
फिसलना	फिसलन	खपना	खपत
रंगना	रंगाई, रंगत	मुसकाराना	मुसकान
उड़ना	उड़ान	घबराना	घबराहट
मुड़ना	मोड़	सजाना	सजावट
चढ़ना	चढाई	बहना	बहाव
मारना	मार	दौड़ना	दौड़
गिरना	गिरावट	कूदना	कूद
अंत	अंतिम, अंत्य	अर्थ	आर्थिक
अवश्य	आवश्यक	अंश	आंशिक
अभिमान	अभिमानी	अनुभव	अनुभवी
इच्छा	ऐच्छिक	इतिहास	ऐतिहासिक
ईश्वर	ईश्वरीय	उपज	उपजाऊ
उन्नति	उन्नत	कृपा	कृपालु
कुल	कुलीन	केंद्र	केंद्रीय
क्रम	क्रमिक	कागज	कागजी
किताब	किताबी	काँटा	काँटेला
ककड़	ककड़ीला	कमाई	कमाऊ
क्रोध	क्रोधी	आवास	आवासीय
आसमान	आसमानी	आयु	आयुष्मान

आदि	आदिम	अज्ञान	अज्ञानी
अपराध	अपराधी	चाचा	चचेरा
जवाब	जवाबी	जहर	जहरीला
जाति	जातीय	जंगल	जंगली
झगड़ा	झगड़ालू	तालु	तालव्य
तेल	तेलहा	देश	देशी
दान	दानी	दिन	दैनिक
दया	दयालु	दर्द	दर्दनाक
दूध	दुधिया,	धन	धनी, धनवान
धर्म	धार्मिक	नीति	नैतिक
खपड़ा	खपड़ैल	खेल	खिलाड़ी
खर्च	खर्चीला	खून	खूनी
गाँव	गँवार,	गठन	गठीला
गुण	गुणी,	घर	घरेलू
घमंड	घमंडी	घाव	घायल
चुनाव	चुनावी, चुनावी	चार	चौथा
पाश्चिम	पाश्चिमी	पूर्व	पूर्वी
पेट	पेटू	प्यार	प्यारा
प्यास	प्यासा	पशु	पाशविक
पुस्तक	पुस्तकीय	पुराण	पौराणिक
प्रमाण	प्रमाणिक	प्रकृति	प्राकृतिक
पिता	पैतृक	प्रांत	प्रांतीय
बालक	बालकीय	बर्फ	बर्फीला
भ्रम	भ्रमक भ्रात	भोजन	भोज्य
भूगोल	भौगोलिक	भारत	भारतीय
मन	मानसिक	मास	मासिक
माह	माहवारी	माता	मातृक
मुख	मौखिक	नगर	नागरिक

नियम	नियमित	नाम	नामी, नामक
निश्चय	निश्चित	न्याय	न्यायी
ना	नाविक	नमक	नमकीन
पाठ	पाठ्य	पूजा	पूज्य, पूणीज
पीड़ा	पीड़ित	पत्थर	पथरीला
पहाड़	पहाड़ी	रोग	रोगी
राष्ट्र	राष्ट्रीय	रस	रसिक

(7) ***क्रिया विशेषण से भाववाचक संज्ञा:-***

मन्द- मन्दी;

दूर- दूरी;

तीव्र- तीव्रता;

शीघ्र- शीघ्रता इत्यादि।

(8) ***अव्यय से भाववाचक संज्ञा:-***

परस्पर-पारस्पर्य ;

समीप- सामीप्य;

निकट- नैकट्य;

शाबाश- शाबाशी;

वाहवाह- वाहवाही

धिक् – धिक्कार

शीघ्र- शीघ्रता

(5) ***समूहवाचक संज्ञा :-*** जिस संज्ञा शब्द से वस्तुओं के समूह या समुदाय का बोध हो, उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- व्यक्तियों का समूह- भीड़, जनता, सभा, कक्षा; वस्तुओंका समूह- गुच्छा, कुंज, मण्डल, घौंद।

(ऽ) **द्रव्यवाचक संज्ञा** :-जिस संज्ञा से नाप-तौलवाली वस्तु का बोध हो, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।

दूसरे शब्दों में- जिन संज्ञा शब्दों से किसी धातु, द्रव या पदार्थ का बोध हो, उन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- तांबा, पीतल, चावल, घी, तेल, सोना, लोहा आदि।

संज्ञाओं का प्रयोग

संज्ञाओं के प्रयोग में कभी-कभी उलटफेर भी हो जाया करता है। कुछ उदाहारण यहाँ दिये जा रहे हैं-

(क) जातिवाचक : व्यक्तिवाचक- कभी- कभी जातिवाचक संज्ञाओं का प्रयोग व्यक्तिवाचक संज्ञाओं में होता है। जैसे- 'पुरी' से जगन्नाथपुरी का 'देवी' से दुर्गा का, 'दाऊ' से कृष्ण के भाई बलदेव का, 'संवत्' से विक्रमी संवत् का, 'भारतेन्दु' से बाबा हरिश्चंद्र का और 'गोस्वामी' से तुलसीदासजी का बोध होता है। इसी तरह बहुत- सी योगरूढ़ संज्ञाएँ मूल रूप से जातिवाचक होते हुए भी प्रयोग में व्यक्तिवाचक के अर्थ में चली आती हैं। जैसे- गणेश, हनुमान, हिमालय, गोपाल इत्यादि।

(ख) व्यक्तिवाचक : जातिवाचक- कभी-कभी व्यक्तिवाचक संज्ञा का प्रयोग जातिवाचक (अनेक व्यक्तियों के अर्थ) में होता है। ऐसा किसी व्यक्ति का असाधारण गुण धर्म दिखाने के लिए किया जाता है। ऐसी अवस्था में व्यक्तिवाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञा में बदल जाती है। जैसे- गाँधी अपने समय के कृष्ण थे; यशोदा हमारे घर की लक्ष्मी है; तुम कलियुग के भीम हो इत्यादि।

(ग) **भाववाचक** : जातिवाचक- कभी-कभी भाववाचक संज्ञा का प्रयोग जातिवाचक संज्ञा में होता है। उदाहरण - ये सब कैसे अच्छे पहरावे हैं? यहाँ 'पहरावा' भाववाचक संज्ञा है, किन्तु प्रयोग जातिवाचक संज्ञा में हुआ। 'पहरावे' से 'पहनने के वस्त्र' का बोध होता है। संज्ञा के रूपान्तर (लिंग, वचन और कारक में सम्बन्ध) संज्ञा विकारी शब्द हैं। विकार शब्द रूपों

अध्याय – II

पर्यायवाची शब्द (SYNONYMS)

इसे प्रतिशब्द भी कहते हैं। जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें हम पर्यायवाची शब्द अथवा प्रतिशब्द कहते हैं। हिन्दी में तत्सम पर्यायवाची शब्द ही अधिक पाए जाते हैं जो संस्कृत से हिन्दी में आए हैं। हिन्दी में तद्भव पर्यायवाची शब्दों का अभाव है। कुछ प्रमुख पर्यायवाची शब्दों के उदाहरण नीचे दिये जा रहे हैं –

अ)

शब्द	**पर्याय**
अमृत-	पीयूष, सुधा, अमी
अंग-	अवयव, भाग, हिस्सा, अंश, खंड।
अग्नि-	आग, पावक, अनल, वहिन, हुताशन, कृशानु, वैश्वानर।
अनी-	सेना, फौज, चमू, कटक, दल।
असुर-	दनुज, दानव, दैत्य, राक्षस, निशिचर, निशाचर, रजनीचर।
अरण्य-	जंगल, वन, कानन, विपिन।
अश्व-	घोड़ा, वाजि, हय, घोटक, तुरग।
अंकुर-	अँखुआ, कोंपल,कल्ला,नवोद्भिद्/
अंचल-	पल्ला, पल्लू, आँचल।
अंत-	समाप्ति, अवसान, इति, उपसंहार

अंत-	फल, अंजाम. परिणाम. नतीजा।
शब्द	**पर्याय**
अचल-	पर्वत, पहाड़, गिरि, शैल, स्थावर।
अचला-	पृथ्वी, धरती, धरा, भू, इला, अवनी
अतिथि-	अभ्यागत, मेहमान, पाहुना।
अधर--	ओंठ, ओष्ठ, लब, रद-पट, होंठ।
अनंग-	कामदेव, मदन, मनोज, मयन, मन्मथ।
अनल-	'अग्नि'।
अनाज-	अन्न, धान्य, शस्य।
अनिल-	हवा, वायु, पवन, समीर, वात, मरुत्।
अनुकम्पा-	कृपा, मेहरबानी, दया।
अन्वेषण-	अनुसन्धान, खोज, शोध, जाँच।
अपना-	निज, निजी, व्यक्तिगत।
अपर्णा-	पार्वती, शिवा, उमा, भवानी, भैरवी
अपमान-	तिरस्कार, अनादर, निरादर।
अप्सरा-	देवांगना, सुरबाला, सुरनारी, सुरकन्या, देवबाला, देवकन्या।
अबला-	नारी, गृहिणी, महिला, औरत,

स्त्री

अभय- निर्भय, निर्भीक, निडर, साहसी।

अभिप्राय- तात्पर्य, आशय, मंतव्य।

अभिमान- गर्व, गौरव, नाज।

अभिलाषा- इच्छा, कामना, मनोरथ, आकांक्षा

अमर- अक्षय, अनश्वर, अविनाशी, मृत्युंजय।

अर्चना- प्रार्थना, आराधना, स्तुति, पूजा।

अर्जुन- पार्थ, धनञ्जय, भारत, कौन्तेय।

अवनी- देखिए 'अचला'।

अवस्था- उम्र, वय, आयु।

अश्रु- आँसू, नेत्राम्बु, चक्षुजल, नेत्र जल।

अहि- सर्प, नाग, भुजंग, साँप, तक्षक।

(आ)

आँख- नयन, नेत्र, लोचन, चक्षु, दृग।

आम- आम्र, रसाल, चूत, सहकार, अमृतफल।

आग- अग्नि'।

आकाश- व्योम, गगन, अम्बर, नभ, आसमान, अनन्ता।

आनन्द-	मोद, प्रमोद, आमोद, हर्ष, आह्लाद, उल्लास।
आकांक्षा-	अभिलाषा'।
आँधी-	तूफान, अंधड़, बवंडर।
शब्द	**पर्याय**
आँसू-	अश्रु।
आखेट-	मृगया, शिकार।
आज्ञा-	अनुमति, हुक्म, आदेश, कहना।
आत्मज-	बेटा, पुत्र, सुत, तनुज।
आत्मा-	सह, अंतर, अंतरात्मा, अभ्यंतर।
आदमी-	मनुष्य, मानव, मनुज, मानुष, इन्सान।
आदित्य-	दिनकर, दिवाकर, प्रभाकर, रवि, सूर्य, दिनेश, भानु।
आधुनिक-	नूतन, नवीन, नया, नवल।
आभा-	चमक, कांति, दीप्ति, प्रकाश।
आराम-	विश्राम, विश्रांति, चैन, राहत।
आर्त-	दुखी, उद्वितन, खिन्न, क्षुब्ध, कातर, संतप्त, पीड़ित।
आर्यवर्त्त-	भारत, हिन्द, हिन्दुस्तान, इंडिया।
आस्था-	आदर, महत्व, मानं, कद्र।

आहार- भोजन, खुराक, खाना।

इ-ई

इंदिरा- कमला, रमा, लक्ष्मी, श्री,

विष्णुप्रिया।.

इंदीवर- पंकज, जलज, नीरज, कमल,

राजीव, उत्पल।

इंदु- चाँद, राकेश, चन्द्रमा, सुधाकर,

चन्द्र, निशाकर, हिमांशु, सुधांशु, राकापति, विधु, शशि,तारापति, मृगांक।

इच्छा- अभिलाषा'।

इन्द्रदेवराज- सुरपति, महेन्द्र, मेघराज, पुरन्दर, मघवा, शचीपति, विष्णु।

इन्द्राणी- शची, पुलोमजा, इन्द्रवधू, इन्द्रप्रिया

इत्यादि- आदि, वगैरह, प्रभृति।

ईर्ष्या- डाह, जलन, मत्सर, कुढ़न।

ईश- ईश्वर, प्रभु, परमात्मा, भगवान्,

परमपिता, परमेश्वर।

ईश्वर- ईश'।

ईहा- इच्छा, आकांक्षा, एषणा, ईप्सा, चाह, कामना, स्पृहा, वांछा।

उ – ऊ

उजाला- प्रकाश, ज्योति, प्रभा, आभा, रोशनी।

उत्पल- 'इन्दीवर'।

उत्पत्ति- जन्म, पैदाइश, उद्भव।

उत्सव- पर्व, आयोजन, समारोह, त्यौंहार।

उत्साह- हौंसला, उमंग, जोश।

उदधि- सागर, समुद्र, सिन्धु, जलधि,
पयोधि, नदीश।

शब्द **पर्याय**

उद्यान- उपवन, बाग, बगीचा।

ऊँचा- उच्च, उत्तुंग, शीर्षस्थ, उन्नत।

(ऋ-ए-ऐ-ओ-औं)

ऋषि- मनीषी, मुनि, साधु, महात्मा।

एषणा- 'इच्छा'।

ऐश्वर्य- वैभव, संपन्नता, समृद्धि।

ओंठ- अधर' ।

औरत- स्त्री, वामा, महिला, वनिता, रमणी, अंगना।

(क)

कमल- पद्म, अरविन्द, सरोज, जलज,
कंज, सरसिज, उत्पल, वारिज, नलिन।

कामदेव- अनंग' ।

किरण- अंशु, कट, रश्मि, मयूख, मरीचि।

कुबेर- धनद, धनाधिप, यक्षराज, किनरेश

कच- कमल' ।

कंचन-	स्वर्ण, कनक, हेम, सोना, हिरण्य।
कच-	कुंतल, बाल, अलक, गेसू, केश।
	कनक-कंचन' ।
कपड़ा-	पट, वस्त्र, वसन, अम्बर।
कपाल-	भाल, शीश, मस्तक, सिर।
कमला-	'इन्दिरा' ।
कलाधर -	इन्दु' ।
कवि-	रचनाकार, रचयिता, शायर।
कामना-	ईहा' ।
काया-	देह, शरीर, गात्र, गात, तन।
काला-	श्याम, कृष्ण, असित, श्यामल।
किताब-	पुस्तक, ग्रन्थ, पोथी।
किनारा-	पुलिन, तट, कूल, तीर, कगार।
कुच-	स्तन, उरोज, उरसिज, चूचुक।
कुलटा-	व्यभिचारिणी, पुंश्चली, स्वैरिणी, छिनाल।
कुसुम-	फूल, पुष्प, सुमन, प्रसून।
कृष्ण-	गोपाल, गोविन्द, माधव, मुरलीधर, मोहन, मुरारि, मधुसूदन, श्याम।
कोकिल-	कोकिला, पिक, श्यामा, कोयल।
कोप-	क्रोध, अमर्ष, रोष।
कोयल-	'कोकिल' ।

शब्द	पर्याय
कोष-	खजाना, निधि, भंडार।
क्रोध-	कोप, रोष, प्रकोप, अमर्ष।
क्षपा-	रात्रि, रात, निशा, यामिनी, रजनी, विभावरी।
क्षिति-	पृथ्वी, मही, धरा, धरणी, धरती, भू, भूमि।
क्षीर-	दूध, पय, गोरस।

(ख)

खंजन-	सारंग, नीलकंठ, कलकंठ, खड़रिच
खग-	पक्षी, पंछी, चिड़िया, विहंग, नभचर
खोज-	अन्वेषण, शोध, आविष्कार, अनुसंधान।
ख्याति-	प्रसिद्धि, यश, नाम।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 12

विलोम शब्द

"अ"

अकाल	सुकाल
अगम	सुगम
अग्र	पश्च
अग्रज	अनुज
अघ	अनघ
अघोष	सघोष
अतिथि	आतिथेय
अतल	वितल
अथ	इति
अर्थ	अनर्थ
अनन्त	अन्त
अनुग्रह	दण्ड,कोप
अन्तर्द्वन्द्व	बहिर्द्वन्द्व
अनिवार्य	ऐच्छिक
अन्तरंग	बहिरंग
अनुकूल	प्रतिकूल
अनुराग	विराग

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अनुरूप	प्रतिरूप
अनुलोम	प्रतिलोम
अधम	उत्तम
अतिवृष्टि	अनावृष्टि
अनुरक्त	विरक्त
अल्पप्राण	महाप्राण
असीम	ससीम
अन्धकार	प्रकाश
अनुक्रिया	प्रतिक्रिया
अभिज्ञ	अनभिज्ञ
अर्पण	ग्रहण
अरुचि	सुरुचि
अल्पायु	दीर्घायु
अमृत	विष
अमर	मृत्य
अल्प	प्रचुर
अल्पसंख्यक	बहुसंख्यक
अलभ्य	प्राप्य,लभ्य
अवर	प्रवर
अवनति	उन्नति
अर्वाचीन	प्राचीन

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अवशेष	निशेष
अवनि	अम्बर
अवतल	उत्तल
अस्त	उदय
अक्षम	सक्षम
अज्ञ	विज्ञ
अपेक्षित	अनपेक्षित
अपेक्षा	उपेक्षा
अपयश	सुयश
अपमान	सम्मान
अपकार	उपकार
अनाहूत	आहूत
अनुयायी	विरोधी

"आ"

आग्रह	दुराग्रह
आडम्बर	सादगी
आच्छादित	अनाच्छादित
आचार	अनाचार
आलोक	अन्धकार
आक्रमण	प्रतिरक्षा
आकाश	पाताल

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

आगमन	प्रस्थान,निर्गमन
आधार	निराधार
आस्तिक	नास्तिक
आवास	प्रवास
आविर्भाव	तिरोभाव
आहत	तिरस्कृत, निराहत
आहूत	अनाहूत
आरोह	अवरोह
आर्य	अनार्य

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 14

मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ

मुहावरा :- मुहावरा बात कहने की एक शैली है। यह अरबी भाषा के 'मुहावर' शब्द से बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है- अभ्यास करना या बातचीत "लक्षणा व व्यंजना द्वारा वह शुद्ध वाक्य जो किसी बोली जाने वाली भाषा में प्रचलित होकर रुढ हो गया हो तथा प्रत्यक्ष अर्थ के बजाय सांकेतिक अर्थ देता हो।""मुहावरा" कहलाता है, जैसे खिचड़ी पकाना, लाठी खाना, नाम धरना आदि।

मुहावरों की निम्न विशेषता में होती हैं :

1. मुहावरों का शाब्दिक अर्थ नहीं, बल्कि (सांकेतिक) अवबोधक अर्थ लिया जाता है। जैसे 'खिचड़ी पकाना' इसका शाब्दिक अर्थ होगा खिचड़ी बनाना, परन्तु मुहावरे के रूप में सांकेतिक अर्थ होगा। षड्यंत्र करना।
2. मुहावरे का अर्थ प्रसंग के अनुसार होता है, जैसे 'लड़ाई में खेत आना' इसका अर्थ है युद्ध में शहीद हो जाना। न कि लड़ाई के स्थान पर मिलने खेत पर चले आना।
3. मुहावरे का मूल रूप कभी नहीं बदलता अर्थात् मुहावरे का स्वरूप स्थिर होता है, अन्यथा मुहावरा नष्ट हो जाता। जैसे 'कमर टूटना' एक मुहावरा है इसके स्थान पर 'कति भंग' शब्द का प्रयोग नहीं किया जा सकता।
4. हिन्दी के अधिकांश मुहावरों का सीधा संबंध शरीर के विभिन्न अंगो यथा - मुँह, कान, नाक हाथ, पाँव आँख, सिर आदि से होता है, जैसे मुँह की खाना, कान खड़े होना।
5. मुहावरा भाषा की समृद्धि तथा सभ्यता के विकास का मापकहोता है।

मुहावरों का महत्त्व

(i) भाषा को सजीव बनाते हैं।
(ii) कथन को प्राणयुक्त एवं प्रभावपूर्ण बनाते हैं।
(iii) भाषा में सरलता एवं सरसता उत्पन्न करते हैं।
(iv) भाषा में प्रवाह व चमत्कार उत्पन्न करते हैं।
(v) भाषा को समृद्ध बनाते हैं।

मुहावरों के प्रयोग में सावधानियाँ

1. पहले मुहावरा फिर उसका अर्थ तथा अगली लाइन से वाक्य प्रयोग करना चाहिए, जैसे

बात का धनी - वायदे का पक्का

मैं जानता हूँ कि वह बात का पनी है।

2. मुहावरे का वाक्य प्रयोग करते समय तुलना नहीं करनी चाहिए, जैसे- के सामान, की तरह, के पैसा आदि शब्दों का प्रयोग नहीं। यथा -

अँधे की लकड़ी - एक मात्र सहारा (x)

अपने वृद्ध माता पिता का एक मात्र संतान मोहन उनके लिए अँधे की लकड़ी ~~के समान~~ है।

3. मुहावरों को कहीं भी डाल देना गलत है, बल्कि कारण बताते हुए कार्य बताना है।

4. घिसे- पिटे वाक्य प्रयोग से बचना चाहिए। (पाक, चीन x)

5. वाक्य प्रयोग का संदर्भ यथा संभव छोटा रखना चाहिए।

6. वाक्य प्रयोग में मुहावरे का प्रयोग करना होता है न कि उसके अर्थ का।

7. मुहावरे को एक वाक्य में लिखना चाहिए, जैसे:

टेढ़ी खीर होना - कठिन काम होना।

अपने देश में भ्रष्टाचार की जड़े इतनी गहरी हो गई हैं कि इसे खत्म करना टेढ़ी खीर हो गई है।

लोकोक्तियाँ / कहावतें

लोकोक्ति का अर्थ है 'लोक समाज में कही जाने वाली उक्तियाँ' तथा कहावत का अर्थ है 'कही जाने वाली बात।'

ऐसा वाक्य जो चमत्कृत ढंग से संक्षेप में, किसी सत्य या नीति का आशय, सशक्त रूप से व्यक्त करे तथा अधिक समय तक प्रयोग में आकर जनजीवन में प्रचलित हो गया हो लोकोक्ति/ कहावत कहलाती है।

लोकोक्तियों / कहावतों की निम्न विशेषताए होती हैं :

1. लोकोक्तियाँ / कहावतें प्रत्यक्ष अर्थ नहीं बल्कि सांकेतिक अर्थ देते हैं।
2. लोकोक्तियाँ / कहावतों में जीवन के गहरे तथा मूल्यावान अनुभव छिपे रहते हैं, इसलिये इन्हें ज्ञान की पितरियाँ कहा जाता है।
3. लोकोक्तियाँ / कहावतें एक व्यक्ति से सम्बन्धित न होकर 'जन साधारण की धरोहरें' होती हैं।

लोकोक्तियों / कहावतों का महत्व

1. बोली को अधिक प्रमाणिक तथा जोरदार बनाती है।
2. भाषा स्पष्ट तथा जीवन्त से उड़ता है।
3. भाषा को सुन्दर बनाने के साथ-साथ जीवन को सीख भी देते हैं।
4. इनमें गहरे व मूल्यवान अनुभव छिपे रहते हैं।
5. अलंकार शास्त्र में 'लोकोक्ति अलंकार' नाम से प्रसिद्ध।

लोकोक्तियों/ कहावतों के प्रयोग में सावधानियाँ :

(1) कहावतों का वाक्य प्रयोग $2\frac{1}{2} - 3$ लाइन में देना चाहिए
(2) पहले प्रकरण देना है फिर कहावत। प्रकरण ऐसा होना चाहिए जो कहावत सिद्ध करे।
(3) प्रकरण समाप्त होने पर - ठीक ही कहा गया है - यह तो वही बात हुई - यहाँ यह बात चरितार्थ होती है

आदि शब्दों का प्रयोग करते हुए कहावतों को जोड़ना चाहिए।

मुहावरा तथा लोकोक्ति की पहचान :

(i) 95% मुहावरों के अन्त में 'ना' आता है।
(ii) मुहावरों के अन्त में क्रिया होती है।
(iii) 95% मुहावरों का सम्बन्ध शरीर के विभिन्न अंगों से होता है।
(iv) मुहावरे छोटे होते हैं, लोकोक्तियाँ बड़ी।
(v) लोकोक्तियों। कहावतों में कोई न कोई शिक्षा होती है।

मुहावरा तथा लोकोक्ति में अन्तर

क्र. स.	मुहावरा	लोकोक्ति

1.	मुहावरे वाक्यांश हैं	लोकोक्ति पूर्ण वाक्य
2.	मुहावरों का स्वतंत्र प्रयोग नहीं हो सकता।	कहावतों का स्वतंत्रत प्रयोग होता है।
3.	मुहावरों का अर्थ बिना वाक्य प्रयोग के स्पष्ट नहीं होता	लोकोक्तियाँ अपने आप में अर्थ पूर्ण होती हैं।
4.	मुहावरा एक पक्षीय होता है अर्थात भाषा को सुन्दर बनाता है	लोकोक्तियाँ भाषा को सुन्दर बनाने के साथ-साथ सीख भी देती हैं।
5.	मुहावरा छोटा होता है तथा भाव को उद्दीप्त करता है।	लोकोक्तियाँ बड़ी होती है तथा स्वयं में भावपूर्ण होती है।
6.	मुहावरों की क्रिया काल, वचन, तथा लिंग के अनुसार बदल जाती है।	लोकोक्तियों पर काल, वचन, लिंग का कोई प्रभाव नहीं पडता अर्थात जस की तस रहती है।
7.	मुहावरा (भाषा) पर आधारित होता हैं।	लोकोक्ति बोली पर आधारित होती है।
8.	मुहावरों का प्रयोग अपेक्षाकृत (पढ़ा-लिखा) समाज अधिक करता हैं।	लोकोक्तियों का प्रयोग अपेक्षाकृत ग्रामीण समाज में अधिक होता है।
9.	ये मुख्यतः गद्य रूप में होते हैं तथा सामान्यतः मौखिक साथ - साथ लिखित रूप में प्रयुक्त होतें हैं।	ये मुख्यतः पद्य रूप में होते हैं तथा सामान्यतः मौखिक रूप में अधिक प्रयुक्त होते हैं।

10.	मुहावरों के उद्भव व विकास की दिशा ऊपर से नीचे की ओर होती है।	लोकोक्तियों के उद्भव व विकास की दिशा नीचे से उपर की होती है।

1. अपना उल्लू सीधा करना = स्वार्थ सिद्ध करना
2. अपनी खिचड़ी अलग पकाना = सबसे अलग रहना
3. अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना = अपनी प्रशंसा स्वयं करना
4. अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना = स्वयं को हाँनि पहुँचाना
5. अपने पैरों पर खड़े होना = आत्मनिर्भर होना
6. अक्ल पर पत्थर पड़ना = बुद्धि भ्रष्ट होना
7. अक्ल के पीछे लट्ठ लेकर फिरना = मूर्खता प्रदर्शित करना
8. अंगूठा दिखाना = कोई वस्तु देने या काम करने से इंकार करना
9. अँधे की लकड़ी होना = एक मात्र सहारा
10. अच्छे दिन आना = भाग्य खुलना
11. अंग-अंग फूले न समाना = बहुत खुशी होना
12. अंगारों पर पैर रखना = साहसपूर्ण खतरे में उतरना
13. आँख का तारा होना = बहुत प्यारा
14. आँखें बिछाना = अत्यन्त प्रेम पूर्वक स्वागत करना
15. आँखें खुलना = वास्तविकता का बोध होना
16. आँखों से गिरना = आदर कम होना
17. आँखों में धूल झोंकना = धोखा देना
18. आँख दिखाना = क्रोध करना/डराना
19. आटे दाल का भाव मालूम होना= बड़ी कठिनाई में पड़ना
20. आग बबूला होना = बहुत गुस्सा होना
21. आग से खेलना = जानबूझ कर मुसीबत मोल लेना
22. आग में घी डालना = क्रोध भड़काना
23. आँच न आने देना = हानि या कष्ट न होने देना
24. आड़े हाथों लेना = खरी-खरी सुनाना
25. आनाकानी करना = टालमटोल करना

26. आँचल पसारना = याचना करना
27. आस्तीन का साँप होना = कपटी मित्र
28. आकाश के तारे तोड़ना = असंभव कार्य करना
29. आसमान से बातें करना = बहुत ऊँचा होना
30. आकाश सिर पर उठाना = बहुत शोर करना

लोकोक्तियाँ

1. अपना रख, पराया चख = अपना बचाकर दूसरों का माल हड़प करना
2. अपनी करनी पार उतरनी = स्वयं का परिश्रम ही काम आता है।
3. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता = अकेला व्यक्ति शक्ति हीन होता है।
4. अधजल गगरी छलकत जाय = ओछा आदमी अधिक इतराता है।
5. अंधों में काना राजा = मूर्खों में कम ज्ञान वाला भी आदर पाता है।
6. अंधे के हाथ बटेर लगना = अयोग्य व्यक्ति को बिना परिश्रम संयोग से अच्छी वस्तु मिलना
7. अंधा पीसे कुत्ता खाय = मूर्खों की मेहनत का लाभ अन्य उठाते हैं असावधानी से अयोग्य को लाभ
8. अब पछताये होत क्या, जब चिड़िया = अवसर निकल जाने पर पछताने से कोई लाभ चुग गई खेत नहीं
9. अन्धे के आगे रोवै अपने नैना खावै = निर्दय व्यक्ति या अयोग्य व्यक्ति से सहानुभूति की पेक्षा करना व्यर्थ है
10. अपनी गली में कुत्ता भी शेर होता है = अपने क्षेत्र में कमजोर भी बलवान बन जाता है।

11. अन्धेर नगरी चौपट राजा = प्रशासन की अयोग्यता से सर्वत्र अराजकता आ ना।

12. अन्धा क्या चाहे दो आँखें = बिना प्रयास वांछित वस्तु का मिल जाना।

13. अक्ल बड़ी या भैंस = शारीरिक बल से बुद्धिबल श्रेष्ठ होता है।

14. अपना हाथ जगन्नाथ = अपना काम अपने ही हाथों ठीक रहता है।

15. अपनी-अपनी डपली अपना-अपना राग = तालमेल का अभाव/ सबका अलग-अलग मत ना/एकमत क अभाव

16. अंधा बाँटे रेवडी फिर-फिर = स्वार्थी व्यक्ति अधिकार पाकर अपने लोगों अपनों को देय की सहायता करता है।

17. अंत भला तो सब भला = कार्य का अन्तिम चरण ही महत्त्वपूर्ण होता है।

18. आ बैल मुझे मार = जानबूझ कर मुसीबत में फंसना

19. आम के आम गुठली के दाम = हर प्रकार का लाभ/एक काम से दो लाभ

20. आँख का अंधा नाम नयन सुखः = गुणों के विपरीत नाम होना।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 18

वाक्य-शुद्धि

शब्द शुद्धि के साथ वाक्य शुद्धि का भी भाषा में महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। वाक्य में अनावश्यक शब्द प्रयोग से, अनुपयुक्त शब्द के प्रयुक्त होने से, सही क्रम या अन्विति न होने से, लिंग, वचन, कारक का सही प्रयोग नहीं होने से, सही सर्वनाम एवं क्रिया का प्रयोग न होने से वाक्य अशुद्ध हो जाता है। जो अर्थ के साथ भाषा सौन्दर्य को हानि पहुंचाता है।

1. अनावश्यक शब्द के कारण वाक्य अशुद्धि :

समान अर्थ वाले दो शब्दों या विपरीत अर्थ वाले शब्दों के एक साथ प्रयोग होने तथा एक ही शब्द की पुनरावृत्ति पर वाक्य अशुद्ध हो जाता है। अतः किसी एक अनावश्यक शब्द को हटाकर वाक्य शुद्ध बनाया जा सकता है। इनमें दोनों शब्दों में से किसी एक को हटाना होता है। अतः दोनों रूपों में वाक्य सही हो सकता है। यहाँ एक रूप ही देंगे।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. मैं प्रातः काल के समय पढ़ता हूँ	1. मैं प्रातः काल पढ़ता हूँ
2. जज ने उसे मृत्यु दण्ड की सजा दी।	2. जज ने उसे मृत्यु दण्ड दिया।
3. इसके बाद फिर क्या हुआ ?	3. इसके बाद क्या हुआ ?
4. यह कैसे सम्भव हो सकता है ?	4. यह कैसे संभव है ?
5. मेरे पास केवल मात्र एक घड़ी है।	5. मेरे पास केवल एक घड़ी है।
6. तुम वापस लौट जाओ।	6. तुम वापस जाओ।
7. सारे देश भर में यह बात फैल गई।	7. सारे देश में यह बात फैल गई।

४. वह सचिवालय कार्यालय में लिपिक है।	४. वह सचिवालय में लिपिक है।
९. विन्ध्याचल पर्वत हिमालय से प्राचीन है।	९.विन्ध्याचल हिमालय से प्राचीन है।
१०. नौजवान युवक युवतियों को आगे आना चाहिए।	१०. नौजवानों को आगे आना चाहिए।
११. किसी और दूसरे से परामर्श लीजिए।	११. किसी और से परामर्श लीजिए।
१२. सप्रमाण सहित उत्तर दीजिए।	१२. सप्रमाण उत्तर दीजिए।
१३. गुलामी की दासता बुरी है।	१३. गुलामी बुरी है।
१४. प्रशान्त बहुत सज्जन पुरुष है।	१४. प्रशान्त बहुत सज्जन है।
१५. शायद आज वर्षा अवश्य आयेगी।	१५. शायद आज वर्षा आयेगी।
१६. शायद वह जरूर उत्तीर्ण हो जायेगा।	१६. वह जरूर उत्तीर्ण हो जायेगा।
१७. कृपया शीघ्र उत्तर देने की कृपा करें।	१७. कृपया शीघ्र उत्तर दें।
१४. वह गुनगुने गरम पानी से नहाता है।	१४. वह गुनगुने पानी से नहाता है।
१९. गरम आग लाओ।	१९. आग लाओ।
२०. तुम सबसे सुन्दरतम हो।	२०. तुम सबसे सुन्दर हो।

2. <u>अनुपयुक्त शब्द के कारण :</u>

वाक्य में अनुपयुक्त शब्द प्रयुक्त हो जाने से भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है अतः अनुपयुक्त शब्द हटाकर उस स्थान पर उपयुक्त शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. सीता राम की स्त्री थी।	1. सीता राम की पत्नी थी।
2. रातभर गधे भौंकते रहे।	2. रातभर कुत्ते भौंकते रहे।
3. कोहिनूर एक अमूल्य हीरा है।	3. कोहिनूर एक बहुमूल्य हीरा है।
4. बन्दूक एक शस्त्र है।	4. बन्दूक एक अस्त्र है।
5. आकाश में तारे चमक रहे हैं।	5. आकाश में तारे टिमटिमा रहे हैं।
6. आकाश में झण्डा लहरा रहा है।	6. आकाश में झण्डा फहरा रहा है।
7. उसकी भाषा देवनागरी है।	7. उसकी लिपि देवनागरी है।
8. वह दही जमा रही है।	8. वह दूध जमा रही है।
9. साहित्य व समाज का घोर संबंध है।	9. साहित्य व समाज का घनिष्ठ संबंध है।
10. उसके गले में बेड़ियाँ पड़ गई।	10. उसके पैरों में बेड़ियाँ पड़ गई।
11. हाथी पर काठी बाँध दो।	11. हाथी पर हौदा रख दो।
12. चिन्ता एक भयंकर व्याधि है।	12. चिन्ता एक भयंकर आधि है।
13. गगन बहुत ऊँचा है।	13. गगन बहुत विशाल है।
14. वह पाँव से जूता निकाल रहा है।	14. वह पाँव से जूता उतार रहा है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

15. कृपया मेरी सौभाग्यवती कन्या के विवाह में पधारें।	15. कृपया मेरी सौभाग्याकांक्षिणी कन्या के विवाह में पधारें।
16. उसे अपनी योग्यता पर अहंकार है।	16. उसे अपनी योग्यता पर गर्व है।
17. राष्ट्रपति ने पुरस्कार भेंट किए।	17. राष्ट्रपति ने पुरस्कार प्रदान किए।
18. कृष्ण ने कंस की हत्या की।	18. कृष्ण ने कंस का वध किया।
19. विख्यात आतंकवादी मारा गया।	19. कुख्यात आतंकवादी मारा गया।

3. <u>लिंग सम्बन्धी :</u>

वाक्य में प्रयुक्त शब्द के अनुसार उचित लिंग का प्रयोग न होने से भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. यह एकांकी बहुत अच्छी है।	1. यह एकांकी बहुत अच्छा है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

chapter – 2

Noun (संज्ञा)

'किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, कार्य या अवस्था के नाम को Noun (संज्ञा) कहा जाता है।'

A noun is a word used as a name of a person, place or thing.

Noun पाँच प्रकार के होते हैं:

1. Proper Noun (व्यक्तिवाचक)
2. Common Noun (जातिवाचक)
3. Collective Noun (समूहवाचक)
4. Material Noun (द्रव्यवाचक)
5. Abstract Noun (भाववाचक)

(1) PROPER NOUN

Proper noun से हमारा तात्पर्य किसी व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान के नाम से होता है। जैसे: Mohan, Jaipur, Radha etc.

(a) Mohan is my friend.

(b) I live in Delhi.

(2) COMMON NOUN

जिस Noun (संज्ञा) से एक वर्ग अथवा जाति के व्यक्ति या वस्तु का बोध हो, उसे Common Noun (जातिवाचक संज्ञा) कहते हैं। जैसे- boy, girl, Village ,city etc.

(a) According to the Girl, the nearest town is very far.

(b) The Girls are going to the nearest village.

(3) COLLECTIVE NOUN

जिस Noun (संज्ञा) से समूह का बोध हो, उसे Collective Noun कहते हैं। जैसे:

Team, Committee, Army etc.

सामान्यत: Collective Noun का प्रयोग Singular में होता है। इनका प्रयोग Plural में तभी किया जाता है

जब मतभेद दर्शाया जाए या फिर प्रत्येक सदस्य के बारे में कुछ कहा जाए।

(a) The jury is deciding the matter.

(b) The flock of geese spends most of its time in the pasture

(c) The team are divided over the issue of captainship.

(d) The audience have taken their seats.

(4) MATERIAL NOUN

जिस Noun से ऐसे पदार्थ का बोध हो जिससे दूसरी वस्तुएं बन सकें, उसे Material Noun कहते हैं।

जैसे: Gold, Silver, Zink, Wood etc.

(a) The necklace is made of gold.

(b) He got his furniture made of teak wood.

Material Nouns, Countable नहीं होते हैं अर्थात् इनकी गिनती नहीं की जा सकती है। इन्हें मापा या तौला जा सकता है। इनके साथ सामान्यत: Singular verb का प्रयोग किया जाता है एवं इनके पहले Article का प्रयोग नहीं किया जाता है।

(5) ABSTRACT NOUN

Abstract Noun, ऐसे गुण, भाव, क्रिया एवं अवस्था को व्यक्त करता है जिन्हें छूआ नहीं जा सकता है, देखानहीं जा सकता है, बल्कि केवल महसूस किया जा कसता है।

जैसे: poverty ,bravery , hatred, laughter , poverty, youth, Honesty .

Abstract Noun का प्रयोग सामान्यतः Singular में किया जाता है।

जैसे: (a) People respect his sincerity.

(b) Honesty is the best policy.

Noun को(A) Countable एवं (B) Uncountable में भी बाँटा जा सकता है।

(A) Countable Nouns

Countable Noun वह Noun होता है, जिसकी गणना की जा सके।

जैसे: (a) We bought six tables.

(b) I have a few friends.

((c) She saw many movies last month.

(B) NON-COUNTABLE NOUNS

Uncountable Noun वह Noun होता है, जिसकी गणना न की जा सके।

जैसे: (a) J. Priestly discovered oxygen.

(b) They decided to sell the furniture.

(c) Much money was wasted on the show.

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Countable Noun: Stars, Seconds, Rupees etc.

Uncountable Noun:Money, time, knowledge etc.

IMPORTANT RULE:-

RULE I

कुछ Nouns का प्रयोग हमेशा Plural form में ही होता है। इन Nouns के अन्त में लगे s को हटाकर, इन्हें

Singular नहीं बनाया जा सकता है। ये दिखने में भी Plural लगते हैं, एवं इनका प्रयोग भी Plural की तरह होता

है। ऐसे Nouns निम्न हैं:

Annals,Ashes,Scissors, tongs, pliers, pincers, bellows ,trousers, pants, pajamas, shorts, gallows, fangs , spectacles, goggles, binoculars ,eyeglasses, Alms , amends , archives , Earnings, arrears, auspices, congratulations, embers , fireworks, lodgings, outskirts, particulars, proceeds, regards,

,riches,remains, savings, shambles, surroundings, tidings, troops, tactics, thanks, valuables, wages, belongings etc.

(a) His earning are small.

(b) Riches have wings.

(c) The proceeds were deposited in the bank.

(d) All his valuables were stolen away.

(e) Alms are given to the beggars.

(I) The proceeds were deposited in the courts.

RULE 2

कुछ Nouns दिखने में Plural लगते हैं लेकिन अर्थ में Singular होते हैं। इनका प्रयोग हमेशा Singular

News, Innings, Politics, Summons, Physics, Economics, Ethics, Mathematics, Mumps, Measles, Rickets,Shingles, Billiards, Athletics etc.

(a) No news is good news.

(b) Politics is a dirty game.

(c) Economics is a good subject.

(d) Mathematics is a difficult subject.

RULE 3

कुछ Nouns दिखने में Singular लगते हैं, लेकिन इनका प्रयोग हमेशा Plural में होता है। जैसे: clergy,cattle,cavalry, infantry, poultry, peasantry, children, gentry, police, people, etc.

साथ कभी भी 's' नहीं लगाया जाता, जैसे: peoples,cattles, लिखना गलत है।

(a) Cattle were grazing in the field.

(b) Our infantry have marched forward.

(c) Police have arrested the thieves.

'People' का अर्थ है 'लोग'। 'Peoples' का अर्थ है 'विभिन्न मूलवंश के लोग'।

RULE 4

कुछ Nouns का प्रयोग, केवल Singular form में ही किया जाता है। ये Uncountable Nouns हैं। इनके
साथ Article A/An का प्रयोग भी नहीं किया जाता है। जैसे:
Scenery, Poetry, Furniture, Advice, Information, Hair, Business, Mischief, Bread,
Stationery, Crockery, Luggage, Baggage, Postage, Knowledge, Wastage, Jewellery, Breakage, Equipment,Work , Evidence,
Word (जब 'word' का अर्थ वाद, संदेश या परिचर्चा हो), Fuel, एवं Cost.
(a)He has no knowledge of grammar.
(b) The scenery of darzeeling is very charming.
(c) I have no information about her residence.
(d) The mischief committed by him is unpardonable.
(e) His hair is black.
(i) इन Nouns का बहुवचन नहीं बनाया जा सकता। जैसे: Sceneries, informations, furnitures, hairs इत्यादिलिखना गलतहै।
(ii) यदि उक्त Noun का Singular या Plural दोनों forms में आवश्यकता हो तो, इनके साथ कुछ शब्द जोड़ेजाते हैं।
नीचे दिए गये उदाहरण देखें:
(a) Rahul gave me a piece of information.
(b) I want a few articles of jewellery.
(c) He purchased some packets of bread.
(d) Please show me some items of office stationery.
(e) The Police have found a strand of hair in the car.

RULE 5

कुछNouns, Plural एवं Singular at दोनों में एक ही रूप में रहते है : deer,sheep, series , species, fish, crew, team, jury, aircraft, hair etc.
(a) I caught two fish.
(b) Our team is the best.
(b) Our team are trying their new uniform.
(c) She has long hair.

RULE 6

Hyphenated noun का प्रयोग कभी भी plural form में नहीं होता।

(a) He gave me four hundred-rupees notes. (rupees को Rupee में परिवर्तित करें)

(b) He stays in five- stars hotels. (stars को star में परिवर्तित करें)

RULE 7

कुछ nouns का प्रयोग लोग बोल-चाल की भाषा में करते हैं लेकिन वास्तव में उनका प्रयोग करना बिलकुल गलत होता है।

उदाहरण: 1.हम Good name का उपयोग नही कर सकते यहा सिर्फ name का पर्योग होगा

2. Cousin brother का उपयोग नही कर सकते यहा सिर्फ Cousin का पर्योग होगा

3. Pickpocketer का उपयोग नही कर सकते यहा सिर्फ Pickpocket का पर्योग होगा

निम्नलिखित nouns में भी हमें confusion रहता है

RULE 8

कुछ Nouns जो अर्थ में तो Plural होते हैं लेकिन यदि इनके पूर्व किसी निश्चित संख्यात्मक विशेषण

का प्रयोग किया जाता है तो इन Noun को Pluralise नहीं किया जाता

है। जैसे : Pair, score, gross, stone, hundred, dozen, thousand, million, billion, etc.

जैसे: (a) I bought two pair of shoes.

(b) She purchased three dozen pencils.

लेकिन यदि इनके साथ Indefinite countable का प्रयोग हो तो इन्हें Pluralise किया जाता है।

जैसे: dozens of women, hundreds of people, millions of dollars, scores of shops, many

pairs of shoes etc.

जैसे: (a) Thousands of people died of cholera last year

(b) I hundreds of books were destroyed.

RULE 9

यदि किसी Noun के बाद Preposition का प्रयोग हो और फिर वहीं 'Noun' repeat हो तो वह 'Noun'

Singular form में होना चाहिए। जैसे:

जैसे: (a) Town after town was devastated.

(b) Row upon row of cakes looks beautiful.

(c) He enquired from door to door.

Noun के साथ Apostrophe का प्रयोग

Apostrophe's का प्रयोग निम्न के साथ होता है -

(A) सजीव/मानव जाति, जानवर आदि-

Cow's Milk, Ram's Wife, Dog's Kennels, Women's College, Men's College, The Lion's roar

(B) किसी निर्जीव पदार्थ को मानव के रूप में प्रस्तुत करने पर-

Death's Hand, Fortune's Favourite

(C) समय तथा दूरी बताने वाले शब्दों के साथ

A moment's delay, A week's leave, A day's work, Five minutes' walk

(D) वजन बताने वाले शब्दों के साथ यदि उनके साथ weight शब्द का प्रयोग हो-

A ton's weight, A gram's weight

(E) Money की इकाईयों के साथ यदि उनके बाद value, worth आदि का प्रयोग हो जैसे-

A Rupee's value, A pound's worth, Their money's worth.

(F) Space बताने वाले शब्दों के पहले-

A needle's point, Finger's end

(G) कुछ प्राकृतिक वस्तुओं के साथ जैसे

The Earth's surface, The sun's rays

The mind's eyes, The law's delay, Heaven's will

(H) कुछ खास परिस्थितियों में expression को छोटा रखने के ख्याल से -

The ship's arrival, ,

The Train's departure,

A boat's crew.

Apostrophe's के प्रयोग से संबंधित कुछ खास बाते -

(A) दो लगातार noun पर Apostrophe का प्रयोग नहीं किया जाता है जैसे-

Ram's wife's career ये गलत है इसकी जगह The career of Ram's wife लिखा जाना चाहिये।

(B) singular proper nouns जिसके अंत में s रहे तो उनमे या तो या केवल (') जोड़ा जाता है।

Dickens's novels y Dickens' novel

Keats's poem at keates' poems

(C) किसी compound noun (दो या तीन शब्दों का समूह) के अन्तिम शब्द पर 's का प्रयोग होता है।

His son's in law's Appointment [X]

His son in law's

Appointment

Government's of India's order [X]

The Government of India's order

(D) जब दो noun एक दूसरे से सम्बन्धित हो तो अन्तिम noun के साथ apostrophe 's का प्रयोग किया जाता है।

Ram and Sita's son किन्तु Ram's and shyam's son लिखना गलत होगा।

(E) Anybody, Somebody, Nobody, Everybody, Anyone, Someone, No one, Everyone के साथ भी apostrophe's का प्रयोग होता है।

Every body's Business is nobody's business

Note- लेकिन यदि उपरोक्त शब्दों के साथ else का प्रयोग है तो apostrophe ['s] का प्रयोग elseपर किया जाता है।

I like your decision not somebody's else [X]

I like your decision not somebody else's

(G) Each-other, one another के साथ भी ' का प्रयोग होता है।

Ram and shyam like each other's ideas.

My uncle's friend's son is a doctor. [X]

My uncle's friend's son के स्थान पर The son of my uncle's friend का प्रयोग किया जायेगा।

Some important collective noun

Collective nouns denoting a group of people

An army of soldiers.	A gang of thieves.
An assembly of listeners.	A gang of coolies.
A band of musicians.	A gang of labourers.

A band if pilgrims.

A bevy of ladies/girls/women.

A class of students.

A stuff of employee.

A stuff of employee.

A troupe of dancers/actors/acrobats.

A choir of singers.

A company of boy.

A crew of sailors.

A crowd of people/spectators.

A pack of thieves.

A panel of judges/experts.

A regiment of soldiers.

A team of players.

A troop of actors.

A troop of soldiers.

A troop of policemen.

A troupe of dancers

A flock of tourists.

The council of ministers.

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Collective nouns denoting a group of animal

A kennel of dogs

A litter of puppies/kittens/cubs

A gaggle of gees.

A murder of crows.

A pride of lions.

A pride of peacocks

A parliament of owls

A shoal of fishes

A troop of monkeys

A team of horses/ducks/oxen.

A covey of quails

An army of ants.

A flock of sheep/goat.

A flock of birds

A school of fish/dolphin | A herd of elephants

A pack of wolves | A herd of cows

A collective noun is a **singular** noun and is followed by a singular verb **if it is used as a single body or group**.

The **jury is** still out. Or, the **jury was** unanimous in its decision.

The **family is** living together now.

2. A **collective nouns** is used as a **plural noun** and is followed by a plural verb **if they are used as individuals**.

The **jury were** divided in their opinions.

The **family were** living in different places.

NOUN-GENDER

Gender को चार भागों में विभाजित किया गया है:

(1) Masculine Gender (पुल्लिग) ऐसे Noun जो male sex को व्यक्त करते हैं, Masculine Gender कहलाते हैं जैसे : Tiger, Power, Violence, Father, Sun, Summer, Time, Thunder etc.

(2) Feminine Gender (स्त्रीलिग) ऐसे Noun जो Female sex को व्यक्त करते हैं, Feminine Gender कहलाते हैं जैसे Tigress, Woman, Lioness, Mother, Sister, Peace, Nature, Earth, Goddess etc.

(3) Common Gender (उभय लिग) ऐसे Noun जो स्त्री एवं पुरुष दोनों के लिए प्रयुक्त होते हैं, Common Gender कहलाते है जैसे Child, Baby, Teacher, Servant, Student, Cousin, Infant, Thief, Neighbour etc.

(4) Neuter Gender (नपुंसक लिग) ऐसे Noun जो उन निर्जीव वस्तुओं को व्यक्त करते हैं जो न male हैं और न female Neuter Gender कहलाते है Copy, Book, Room, Paper, T.V., Box, etc.

Changing masculine noun to feminine noun

RULE 1

कुछ cases में Masculine noun के बाद 'ess' लगाने से feminine noun बनाया जा सकता है। जैसे:

Masculine	feminine
Author(लेखक)	Authoress
Host(मेजबान)	Hostess
Jew	Jewess
Mayor	Mayoress
Poet (कवि)	Poetess
Tutor	Tutoress
Heir	Heiress

RULE 2-

कुछ cases में Masculine Noun के अन्तिम vowel एवं उसके पहले आने वाले consonant को हटाकर 'ess' जोड़ने से भी Feminine noun बन जाता है। जैसे:

Masculine	feminine
Actor	Actress
Benefactor	Benefactoress
Hunter	Hunteress
Prince	Princess
Waiter	Waitere
Tiger	Tigeress

RULE 3

कुछ cases में Masculine Noun के शब्दों में कुछ change किया जाता है एवं अन्त में 'ess' लगाने पर Feminine Noun बन जाता है।

Masculine	Feminine
Emperor	Empress
God	Goddess
Duke	Duchess
Master	Mistress

RULE 4

में cases Compound Masculine Noun के first अथवा second शब्द में कुछ परिवर्तन किये

जाता है। जैसे:

Masculine	Feminine
Man-servant	Maid servant
Washerman	Washerwoman
Buck-rabbit	Doe-Rabbit
Brother-inlaw	Sister-in-law
Bull-calf	Cow-calf
Milkman	Milkmaid
Peacock	Peahen
Landlord	Landlady

Noun number (singular – plural)

अंग्रेजी में Noun को Plural कैसे बनाते हैं Singular से Plural बनाने के नियम को उदाहरण के साथ बताया जा रहा है अंग्रेजी में एकवचन को बहुवचन में बदलने के लिए अनेकों प्रकार के नियम होते हैं उन नियमों में से कुछ नियम जो बहुत ही महत्वपूर्ण है वह निम्न है-

Number: If a Noun tells about one or more than one is called Number .**Kind of Number**

- **Singular Number**
- **Plural Number**
- (a) **Singular Number**: If a Noun tells about only one ,is called Singular Number.
- (b)**Plural Number**: If a noun tells about more than one it is called Plural Number.
- Ex:
- **Singular ——— Plural**

Boy ——— Boys

Student ——— Students

Pen ——— Pens

Man ——— Men

Singular से Plural बनाने के नियम

Rule(1) Generally किसी Noun के अंत में 's' जोड़कर Plural बनाया जाता हैं।

Singular——Plural	
Fan	Fans
Flats	Flats

Chair. Chairs

Rule(2) यदि किसी Singular Common Noun का last letter (s,ss,sh,ch,x,z) हो, तो "'es'" जोड़कर Plural बनाया जाता हैं।

Singular—— Plural

Kiss——— Kisses

Class ——— Classes

Bench——— Benches

Tax———— Taxes

chapter – 7

Pre + position – Preposition

pre का अर्थ पहले (before) होता है, जबकि position का अर्थ स्थान (place) होता है। अतः preposition एक ऐसा word है, जो noun or pronoun के पहले प्रयुक्त होकर noun or pronoun का संबंध sentences, अन्य शब्दों से दिखलाता है।

A preposition is a word used before a noun or pronoun to show its relation with the other words of the sentence.

Example

1. The book is on the table.

2. The pen is in the inkpot

3. The cat is under the table.

उपयुक्त शब्दों में on, in, under, between, behind का प्रयोग क्रमश the table, the inkpot, the table, the inkpot, the hut- nouns के पहले प्रयुक्त हुआ जो वाक्य के अन्य शब्दों -the book, the pen, the cat, the book, the boy से सबंध बताता है अत on, in, under, between, behind prepositions gS A

Correct Use of Prepositions

(A) Use of 'At'

Rule (1): At का प्रयोग छोटे स्थानों के नाम (name of smaller places) के पहले 'में' के अर्थ में होता है। जैसे-

My brother lives at Jajuar. (गांव)

I live at Musallahpur hat. (मुहल्ला)

Rule (2) : At का प्रयोग नीचे दिये गए शब्दों के बाद 'लक्ष्य' के अर्थ को अभिव्यक्त करने के लिए किया जाता है। जैसे-

shout at grumble at shoot at

laugh at mock at bite at

look at kick at aim at

smile at growl at

Rule (3): At का प्रयोग समय को अभिव्यक्त करने के लिए 'पर' में के अर्थ में होता है। जैसे-

He will reach at 5 a.m.

He came at 6 0' clock

Rule (4) : At का प्रयोग नीचे दिये गए शब्दों के पहले होता है। जैसे-

At home At the station

At page 50 At school

At the airport At a match

At the bottom At college

At the theatre

At a lecture At à conference

At university

At the bus stop At a concert

At the bridge

At the platform At the top

Rule (5) : 'At' का प्रयोग समय सूचक शब्दों के पहले होता है।

At night At noon At dawn

At dusk At midnight At afternoon

At daybreak At twilight

Rule (6) : At का प्रयोग निम्नलिखित शब्दों के पहले होता है। जैसे-

At this moment At bed time

At this juncture At this hour

At Easter At Christmas

Rule (7) : At का प्रयोग कीमत/दर/चाल की दर को अभिव्यक्त करने वाले शब्दों के पहले होता है। जैसे-

Milk sells at Rs. 22/- a litre. (दर -rate)

He got that book at Rs. 50. (कीमत-price)

The motorcycle is running at eighty kilometres an hour. (चाल की दर-speed)

Rule (8) : At का प्रयोग temporary action (अस्थायी कार्य) को अभिव्यक्त करने के लिए किया जाता है। जैसे-

He is at work. अर्थ-He is working now.

She is at play. अर्थ—She is playing now.

Rule (9) : At का प्रयोग उम्र (age) तथा चरण (stage) को अभिव्यक्त करने वाले शब्दों के पहले होता है। जैसे-

My grandfather died at the age of sixty.

I left college at twenty five.

(B) Use of 'In'

Rule (1) : In का प्रयोग बड़े स्थानों (bigger places) जैसे—देश, शहर, राज्य, महादेश ,महानगर आदि के नामों के पहले होता है। जैसे-

We live in India. (देश)

India is in Asia. (महादेश)

She lived in Uttar Pradesh (राज्य)

Mr. Thakur lives in Patna (शहर)

My father-in-law lives in Mumbai. (महानगर)

Rule (2) : In का प्रयोग निम्नलिखित phrases में होता है। जैसे-

In the night

In the evening

In the morning

In the afternoon

ध्यान दें : In the night or at night के प्रयोग में फर्क होता है ।

Note : In the night का प्रयोग 'किसी निश्चित रात' के अर्थ में होता । जबकि at night का प्रयोग 'किसी रात' के अर्थ में होता है।

Rule (3) : In का प्रयोग निम्नलिखित शब्दों के पहले 'में या के अंदर' के अर्थ में होता है। जैसे-

In the world	In a newspaper
In a queue	In a city
In the sky	In a street
In a village	In the house
In a letter	In the room
In a town	In hospital
In the bus	In prison

In church In the rain

इन वाक्यों को देखें:

We live in the world.

In the bag

He is in the room.

Rule (4) :In का प्रयोग permanent action (स्थायी कार्य) को अभिव्यक्त करने के लिए किया जाता है। जैसे-

His brother is in the Army. He is in the Navy

I am in the education.

He is in the politics.

Rule (5) : In का प्रयोग period of time expressing words (अवधि/समय सूचक शब्दों) के पहले होता है। जैसे-

In a week In January

In this week In February

(महीनों के नाम)

In this month In this season

In summer In spring

In winter In autumn

(ऋतुओं के नाम)

In 1999 In the year of 1942

In 2001 In the year of 1993

सालों का नाम

In 1947 In this century

In the eighteenth century

In the sixteenth century

शताब्दियों के नाम

In the Victorian age

In the Elizabethan age — उम्र का नाम

Rule (6) : In का प्रयोग A/An + car / taxi/jeep के पहले होता है | example -

He goes to college in a car. (√)

She went to school in a jeep. (√)

Her lover goes to the office in a taxi. (√)

Rule (7) : In का प्रयोग possessive adjectives + car/taxi/jeep के पहले होता है। जैसे-

He is sitting in his car.

(C) Use of 'Into'

Rule (1) : Into का प्रयोग motion inside anything-(किसी चीज के भीतर की ओर गति) के भाव को अभिव्यक्त करने के लिए किया जाता है। जैसे-

The frog fell into the well.

Rule (2) : Into का प्रयोग एक माध्यम से दूसरे माध्यम में या एक अवस्था से दूसरे अवस्था में परिवर्तन के लिए होता है। जैसे-

Translate into English.

Milk turns into curd.

Rule (3) : Into का प्रयोग 'का/के/की के' अर्थ में भी होता है। जैसे-

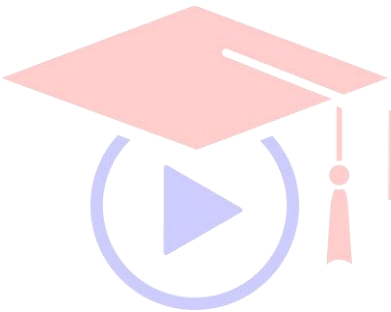

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

chapter – 10

Active and passive Voice

I	-	me
He	-	him
She	-	her
They	-	them
We	-	us
You	-	you
Name	-	Name
It	-	It

(1). **Present indefinite:-**

Sub.+ verb(1) + O(1) +O(2)

O(1) + is/are/am + verb(3) + O(2) + by +sub.

Ex. :- I call him in the market.

He is called in the market by me.

Ex. :- you help me in this work.

I am helped in this work by you.

Ex. :- I invite her at my house.

She is invited at my house by me.

Negative :-

Sub.+ do not / does not + verb(1) + O(1) + O(2).

O(1) + is/are /am + not + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- she does not cook food for us.

Food is not cooked for us by her.

Ex.:- I do not send them to my home.

They are not sent to my home by me.

Interrogative :-

Do/does+ sub. + verb(1) + O(1) + O(2)

Is/are/am + O(1)+ verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- Do I call him in the market.

Is he called in the market by me.

Ex.:- Does he beat us with a stick.

Are we beaten with stick by him.

Ex.:- Does Ram take me there.

Am I taken there by Ram.

Ex.:- Do you buy a house in Jaipur.

Is a house bought in Jaipur by you.

Interrogative negative :-

Do/does + sub.+ not + O(1) + O(2)

Is/are/am +O(1) + not + verb(3) + O(2) + by+ sub.

Ex. :- Does he not dig some holes in the ground.

Are some holes not dug in the ground by him.

Ex.:- Do we not write a book for them.

Is a book not written for them by us.

Present continuous :-

Sub + is/are/am + verb(ing) + O(1) +O(2)

O(1) + is/are/am +being + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex. :- I am driving a car in the ground.

A car is being driven in the ground by me.

Ex.:- she is cooking food for us.

Food is being cooked for us by her.

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Negative:- sub. + is/are/am+ not + verb(ing) + O(1) + O(2)

O(1) + is/are/am + not + being + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex. :- Ram is not planting some plants there.

Some plants are not being planted there by Ram.

Ex. :- my father is not giving me some money.

I am not being given some money by my father.

Interrogative :-

Is/are/am + sub. + verb(ing) + O(1) + O(2).

Is/are/am + O(1) + being+ verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- is she making a chair for us.

Is a chair being made for us by her.

Ex.:- are you help me in this work.

Am I helped in this work by you

chapter – II

Direct & Indirect (Narration)

DIRECT SPEECH

जब कोई व्यक्ति किसी वक्ता के कहे हुए कथन को बिना किसी परिवर्तन के अभिव्यक्त कर दें तो वह Direct Speech कहलाता है।

जैसे: Ram says , "I work hard."

INDIRECT SPEECH

जब कोई व्यक्ति किसी वक्ता के कथन को अपने शब्दों में कुछ जरूरी परिवर्तन कर प्रस्तुत करें तो वह Indirect Speech

जैसे: Ram says that he works hard.

ASSERTIVE SENTENCES (कथनात्मक वाक्य)

He says, "I work hard." (Direct Speech)

He says that he works hard. (Indirect speech)

ASSERTIVE SENTENCES को DIRECT से INDIRECT SPEECH में परिवर्तन करने के नियम:-

Comma एवं inverted commas को हटाएँ और Conjunction 'that' का प्रयोग करें।

Pronoun नीचे दिए गए नियमानुसार परिवर्तित करें।

1. First Person को Reporting Verb के Subject के अनुसार बदलते हैं।

2. Second Person को Reporting Verb के Object के अनुसार बदलते हैं।

3. Third Person को Reporting Verb में कोई भी बदलाव नहीं किय जाता है।

I	person	I	me	My
		we	us	our

II	you	you	your
III.	He	him	his
	She	her	her
	they	them	their
	it	it	its

CHANGE THE TENSE

यदि Direct speech को Indirect speech में बदलते समय Reporting verb में Present tense या Future tense हो तो Reported speech के Tense में कोई भी बदलाव नहीं होता है, केवल जरुरत के हिसाब से Pronoun को Change किया जाता है। लेकिन यदि Reporting verb, Past tense में हो तो Reported speech के Tense को निम्नलिखित प्रकार से Change किया जाता है

1. V_I - V_{II}
2. do not / does not - did not
3. is / am / are - was / were
4. has / have - Had
5. has been / have been - Had been
6. $V_{II.}$ - Had + V_3
7. did not + V_I - Had not + V_3
8. was / were - Had been
9. Had - No change
10. Had been - No change
11. will / shall - Would

12. Can - Could

13. may - might

14. this - that

Direct speech को Indirect speech में बदलते समय Reporting verb यदि Past tense में हो तो Reported speech में उपयोग होने वाला निकटता सूचक शब्द और दूरी सूचक शब्द और समय को दर्शाने वाले शब्द निम्नलिखित प्रकार से Change किया जाता है।

DIRECT	INDIRECT
This	That
These	Those
Here	There
Hence	Thence
Now	Then
Thus	So
Today	That Day
Yesterday	The previous day / The day before

The day before yesterday	Two days before
Tomorrow	The next day / The following day
Tonight	That night
This day	That day
The day after tomorrow	In two days, Time
Last week	The previous week / The week before
Last month	The previous month / The month before
Last year	The previous yaer / The year before
Last night	The previous night / The night before
Last day	The previous day / The day before
Next week	The following week
Next month	The following month
Next year	The following yaer
Next night	The following night
Next day	The following day

A year ago	A year before

(A) Direct से Indirect बनाते समय I व II person को III मे बदलेगे.

(B) यदि प्रश्न मे III person का कोई pronoun आया तो उसे नहीं बदलेंगे उसे ज्यों का त्यों लिख देंगे.

Ex. Anil said to Riya, " I call my and your friends".

Ind. - Anil told Riya that He called his and her friends.

(i) Said to - change in - told

(ii) Inverted commas - इसे हटाकर - that

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

IV. Sita said to Ram, " I saw my and your brothers near our house yesterday".

Ind. - Sita told Ram that she had seen her and his brothers near their house the previous day.

Ex. Anil said to Sita , " I did not see my and your brother near our house yesterday".

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी हे जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

chapter – 12

ANTONYMS/ SYNONYMS

S.No.	Word	Meaning	Synonyms
1.	Genuine	Truly what something is said to be (वास्तविक)	Real, True, Actual, Honest , Sincere, Veritable, Authentic, Original
2.	Laconic	Brief (संक्षिप्त)	Crisp, Brusque, Pithy, Terse, Compendious, Concise, Succinct
3.	Diligent	Having a showing care and consciousness in one's work or duties (मेहनती)	Industries, Careful, Assiduous, Tireless, Attentive, Indefatigable
4.	Insolent	Showing a rude and arrogant lack of respect (बदतमीज)	Impudent, Rude, Impertinent, Disrespectful, Brazen, Bold
5.	Sordid	Involving immoral aur dishonourable actions and motives / Arousing moral distaste and	Unpleasant, Low, Mean, Dirty Foul, Squalid, Base, filthy

		contempt (घिनाना)	
6.	Transient	Lasting only for a short time / Impermanent (अस्थायी)	Transitory , Temporary, Ephemeral, Passing, Brief, Momentary
7.	Abandon	Cases to support aur look after (someone) / desert (छोड़ देना)	Forsake, Leave, Quit, Desert, Relinquish, Renounce, Surrender
8.	Accede	Agree to a demand request or treaty (मान लेना)	Consent, Join, Agree, Adhere, Assent, Accept
9.	Adversity	A difficult or unpleasant situation (विपत्ति)	Misery, Misfortune, Hardship, Distress, Affliction, Disaster
10.	Affluent	Having a great ideal of money / wealthy (धनी)	Prosperous, Wealthy, Rich, Moneyed, Opulent, Loaded
11.	Candid	Truthful and straightforward (निष्कपट)	Frank, Honest, Open, Direct, Outspoken, Sincere
12.	Cantan - kerous	Bad tempered argumentative and an cooperative (झगड़ालू)	Quarrelsome, Bellicose, Crabby, Cranky, Crotchety, Testy

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी हे जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें - 8233195718

S. NO.	Word	Meaning	Aytonyms
1.	Hostile	Showing dislike (प्रतिरोधी)	Gentle, Friendly, Kind, Warmhearted, Nice, Peaceful, Agreeable
2.	Barren	Unproductive (बंजर)	Fertile, Productive, Lush, Green, Profitable, Fruitful
3.	Candid	Truthful and straightforward / Frank (निष्कपट)	Cunning, Artful, Deceitful, Hypocritical, Tricky, Dishonest, Lying, Cunning, Insidious
4.	Agony	Extreme physical or mental suffering (यातना)	Comfort, Happiness, Joy, Peace, Satisfaction, Beatitude
5.	Callous	Showing or having an insensitive and cruel disregard for others (निर्दयी)	Sympathetic, Sensitive,Kind, Tender, Benevolent, Kind-hearted, Charitable
6.	Inquisitive	Eegar (जिज्ञासु)	Ignore, Careless, Uninterested, Un-

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

			inquiring Indifferent, Apathetic
7.	Insolent	Sewing a rude and arrogant lack of respect (ढीठ)	Courteous, Polite, Humble, Respectful, Gracious, Decent, Modest, Shameful, Servile
8.	Liberty	The state of being free (स्वतंत्रता)	Slavery, Captivity, Imprisonment, Restraint, Jail, Detention
9.	Mitigate	Make less severe (कम करना)	Intensify, Aggravate, Increase, Incite, Agilate, Amplify
10.	Prudent	Acting with or showing care and thought for the future (मितव्ययी)	Indiscreet, Foolish, Reckless, Wasteful, Extravagant, Improvident
11.	Repulsive	Arousing intense distaste or disgust (अरुचिकर)	Nice, Delicious, Gorgeous, Pleasing, Desirable
12.	Stingy	Mean / Ungenerous (कंजूस)	Generous, Selfless, Extravagant, Luxury, Rich, Handsome

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

13.	Transparent	Allowing light to pass through so that objects behind can we distinctly seen (of a material of article) (पारदर्शी)	Opaque, Cloudly, Unclear, Dark, Dull, Gloomy, Murky
14.	Vanity	Excessive pride in or admiration of one's own appearance of acIndependence (घमंड)	Humility, Helpfulness, modesty, Exercitation, Altruism
15.	Adamant	Refusing to be persuaded or to change one's mind (अटल)	Flexible, Yielding, Pliant, Submissive, Soft, Responsive, Supple

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी हे जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

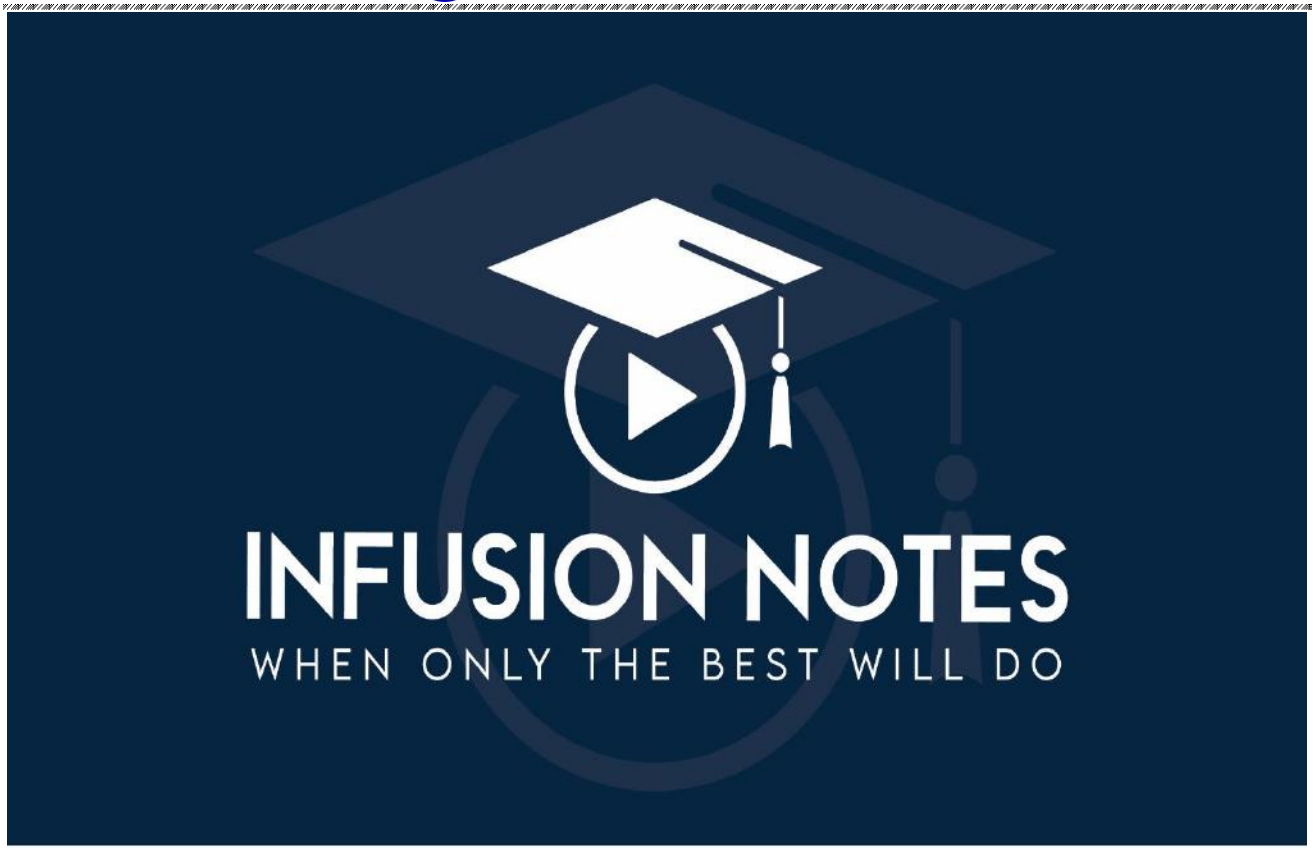

AVAILABLE ON/

01414045784

contact@infusionnotes.com

http://www.infusionnotes.com/